जबलपुर | गुरुवार | 18 जून 2026 | वर्ष 77 | अंक 145 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00
navabharat.com twitter.com/Nava_Bharat fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक पहचान

बोले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप- दुनिया भर में प्रधानमंत्री मोदी की बड़ी भूमिका

एवियन (फ्रांस), 17 जून. फ्रांस के एवियन में आयोजित 52वें जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुलाकात पर सबकी नजरें रहीं. बैठक से पहले ट्रम्प ने वर्किंग लंच के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की शैली की प्रशंसा करते हुए ट्रंप ने कहा कि मैं मोदी जैसा शांत नहीं हूं... मोदी शांत संयमित और जबरदस्त हैं. मोदी को संतुलित और प्रभावशाली नेता बताया.

जी-7 शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन ट्रम्प वर्किंग सत्र में कुछ देर से पहुंचे. सत्र में प्रवेश करते समय उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि मैं ही बॉस हूं, जिस पर वहां मौजूद नेताओं ने हंसकर प्रतिक्रिया दी. इस सम्मेलन में 14 देशों के शीर्ष नेता भाग ले रहे हैं.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के छह दिवसीय विदेश दौरे का बुधवार को चौथा दिन रहा. फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कई देशों के शीर्ष नेताओं से द्विपक्षीय मुलाकातें कीं. प्रधानमंत्री मोदी ने आउटरीच सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जी 7 समिट की बैठक केवल जीडीपी तक ही सिमित नहीं रहना चाहिए. पीएम मोदी ने ये भी कहा कि भारत हमेशा ग्लोबल साउथ के हक के लिए आवाज उठाई है. प्रधान मंत्री ने अमेरिका - यूरोप को सबका साथ सबका विकास का मंत्र दिया. उन्होनें कहा कि जी 7 समिट की बैठक केवल जीडीपी तक ही सिमित नहीं रहना चाहिए.

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस संकट के कारण ईंधन, उर्वरक और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है, जिसका असर ग्लोबल साउथ के देशों पर लंबे समय तक पड़ सकता है. प्रधानमंत्री ने कहा कि यदि वैश्विक एकजुटता को मजबूत करना है तो सबसे कमजोर देशों को इन संकटों का बोझ अकेले नहीं उठाने देना चाहिए.

उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया के कई देशों में आबादी वृद्ध हो रही है, जबकि भारत और ग्लोबल साउथ के अन्य देशों में युवा प्रतिभा और कौशल की प्रचुरता है, जिसका वैश्विक विकास के लिए बेहतर उपयोग किया जा सकता है.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा- जब तक मैं प्रेसिडेंट हूं, व्हाइट हाउस में मोदी का हमेशा अच्छा दोस्त मौजूद रहेगा. अगर भारत या मोदी पर हमला होता है और मोदी लीडर होंगे तो हम उनकी मदद करेंगे. उन्होंने मोदी की तारीफ करते हुए कहा- जब तक मोदी लीडर हैं, इंडिया हर फील्ड में बड़ा रोल निभाएगा.

मोदी शांत और जबरदस्त नेता हैं, लेकिन मैं मोदी की तरह नहीं हूं. वहीं ट्रम्प के साथ द्विपक्षीय बैठक में मोदी ने कहा कि समुद्र में भारतीयों की सुरक्षा जरूरी है. उम्मीद है कि ईरान के साथ डील में भारतीयों की सुरक्षा पक्की की जाएगी. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि होर्मुज खुला रहना जरूरी है. मैं वेस्ट एशिया में शांति की कोशिशों में ट्रम्प की लीडरशिप की तारीफ करता हूं. ट्रम्प के नेतृत्व में शांति की उम्मीद दिख रही है.

भारत पर हमला हुआ तो अमेरिका साथ : ट्रंप

जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक में मुलाकात के बाद ट्रंप ने भारत और प्रधानमंत्री मोदी की खुलकर सराहना करते हुए कहा कि यदि कभी भारत पर हमला होता है तो अमेरिका उसके साथ खड़ा रहेगा. ट्रंप ने कहा कि वह भारत का बहुत सम्मान करते हैं और प्रधानमंत्री मोदी एक शांत स्वभाव के लेकिन बेहद सख्त और मजबूत नेता हैं. उन्होंने कहा कि जब तक नरेंद्र मोदी भारत का नेतृत्व कर रहे हैं, तब तक वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका लगातार बढ़ती रहेगी. अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की प्रमुख शक्तियों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है. बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति और ईरान से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की. ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए और क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखना जरूरी है. उन्होंने बताया कि ईरान से जुड़े हालात पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ विस्तार से विचार-विमर्श हुआ.

> अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि देखने मे शांत लेकिन सख्त व्यक्ति हैं मोदी. ईरान युद्ध पर पीएम मोदी से बात हुई है. मैं भारत का बहुत सम्मान करता हूं. दुनिया भर में पीएम मोदी की बड़ी भूमिका है. ट्रम्प ने कहा कि ईरान के पास एटम बम नहीं होना चाहिए. जब तक मोदी है पीएम, भारत का बड़ा रोल है. समुद्र में लाखों भारतीय नागरिक हैं, उनकी सुरक्षा सनिश्चित होनी चाहिए. मोदी एक सख्त वार्ताकार हैं.

गोलकीपर वाजिन्हा ने वर्ल्ड कप में केप वर्डे के लिए बेमिसाल गोल बचाए!

आज से मप्र दौरे पर राष्ट्रपति मुर्मु

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 17 जून. राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 18 जून से 22 जून तक पांच दिवसीय मप्र प्रवास पर रहेंगी. इस दौरान वे इंदौर, बैतूल, खंडवा जिले के श्री ओंकारेश्वर मंदिर, जबलपुर, ग्वालियर और श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगी.

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु गुरुवार, 18 जून को इंदौर पहुंचेंगी. इसके बाद वे बैतूल में ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा आयोजित एम्पावरमेंट ऑफ ट्रायबल सोसायटी बाय स्पिरिचुअल अवेकनिंग कार्यक्रम में शामिल होंगी. साथ ही श्री ओंकारेश्वर पहुंचकर मंदिर में दर्शन एवं आरती में शामिल होंगीं.

शुक्रवार 19 जून को राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु अंतर्राष्ट्रीय सिकल सेल दिवस के अवसर पर ओंकारेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी. शनिवार, 20 जून को राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु जबलपुर पहुंचेंगी. रविवार, 21 जून को राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगी. इसके बाद रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के 36वें दीक्षांत समारोह में सहभागिता करेंगी.

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने कमांड नाम बदला

इंडो-पैसिफिक कमांड अब यूएस पैसिफिक कमांड

नई दिल्ली, 17 जून. अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड का नाम बदलकर फिर से स पैसिफिक कमांड कर दिया गया है. अब इस कमांड से 'इंडो' शब्द हटा दिया गया है. अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने 2018 में कमांड के नाम में बदलाव किया था. उस समय अमेरिका ने कहा था कि हिंद महासागर क्षेत्र का रणनीतिक महत्व बढ़ रहा है और यह क्षेत्र प्रशांत महासागर की सुरक्षा व्यवस्था से पहले की तुलना में ज्यादा जुड़ गया है.

2018 में अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने इस सैन्य कमांड का नाम बदलकर इंडो-पैसिफिक कमांड कर दिया था. अमेरिका का कहना था कि हिंद महासागर का महत्व तेजी से बढ़ रहा है और अब हिंद महासागर तथा प्रशांत महासागर की सुरक्षा और रणनीति एक-दूसरे से पहले से ज्यादा जुड़ गई हैं. इसलिए कमांड के नाम में इंडो को भी शामिल किया गया था. अमेरिकी सेना पूरी दुनिया को अलग-अलग क्षेत्रों में बांटकर चलती है.

रणनीति और जिम्मेदारियों में कोई बदलाव नहीं हुआ

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूएस पैसिफिक कमांड नाम बहुत पुराना और ऐतिहासिक है. इसे वापस लाने से सैनिकों को अपनी विरासत पर गर्व महसूस होगा. यह नाम कई बड़े युद्धों और महत्वपूर्ण मिशनों से जुड़ा रहा है, इसलिए इसे फिर से अपनाया गया है. पेंटागन ने यह भी कहा कि कमांड का सिर्फ नाम बदला है, रणनीति और जिम्मेदारियों में कोई बदलाव नहीं हुआ है.

अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी से बाहर निकले ईरानी तेल टैंकर

तेहरान, 17 जून. पिछले 24 घंटों में ईरानी तेल टैंकरों का पहला जत्था होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी से बाहर आ गया है. समुद्री जहाजों पर नजर रखने वाली संस्थाओं के मुताबिक, दो महीने में पहली बार ईरानी कच्चे तेल के निर्यात में इतनी बड़ी हलचल देखी गयी है. यह घटनाक्रम स्विट्जरलैंड में शुक्रवार से शुरू होने वाली अमेरिका-ईरान की औपचारिक वार्ता से पहले हुआ है। उम्मीद है कि दोनों पक्ष हाल ही में हुए समझौता पत्र (एमओयू) के तहत अपनी बातचीत शुरू करेंगे.

कर्मवीर शर्मा भोपाल, शीलेन्द्र सिंह रीवा संभागायुक्त

- 29 आईएएस अफसरों के हुए तबादले
- सीएम सचिवालय से सचिव आलोक कुमार सिंह को हटाया

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 17 जून. राज्य सरकार ने बुधवार देर शाम बड़ी प्रशासनिक सर्जरी करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा के 29 अफसरों के तबादले किए हैं. भोपाल और रीवा के मौजूदा संभागायुक्त को वापस बुला लिया गया है, अब कर्मवीर शर्मा को भोपाल और शीलेन्द्र सिंह को रीवा संभागायुक्त की बड़ी जिम्मेदारी दी गई है.

इधर मुख्यमंत्री सचिवालय में सचिव के पद पर पदस्थ आलोक कुमार सिंह को हटा दिया गया है. उनसे सचिव खनिज साधन विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी वापस ले लिया गया है. इधर प्रमुख सचिव राजस्व विवेक पोरवाल एक बार फिर बड़े विभाग में लंबे समय तक टिके रहने में कामयाब नहीं हो सके. उनको अब खनिज साधन विभाग की जिम्मेदारी दी गई है,वहीं प्रमुख सचिव ई. रमेश कुमार को और बड़ी जिम्मेदारी देते हुए राजस्व विभाग की कमान सौंप दी गई है.

इधर सिया के चेयरमेन से विवाद के बाद अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल को अपर मुख्य सचिव पर्यावरण विभाग व पर्यावरण आयुक्त के साथ ही महानिदेशक एप्को के अतिरिक्त प्रभार से हटा दिया गया है. बर्णवाल को कृषि उत्पादन आयुक्त की जिम्मेदारी से भी हटा दिया गया है.

पाकिस्तान ने भारतीय विमानों पर बैन बढ़ाया

लाहौर, 17 जून. पाकिस्तान ने भारतीय-पंजीकृत विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र में लगाए गए प्रतिबंध को एक और महीने के लिए बढ़ा दिया है. अब यह प्रतिबंध 24 जुलाई 2026 तक लागू रहेगा। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण द्वारा बुधवार को जारी नोटिस में इस बात की पुष्टि की गई है. नोटिस के अनुसार, भारतीय नागरिक और सैन्य दोनों प्रकार के विमानों पर यह प्रतिबंध 16 जून की शाम से लागू हो चुका है और 24 जुलाई सुबह तक प्रभावी रहेगा. यह प्रतिबंध पहली बार अप्रैल 2025 में लगाया गया था, जब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था ाें में खटास और बढ़ गई थी.

कुंआ धंसने से कांग्रेस नेता की मां-पत्नी मलबे में दबी, मौत

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 17 जून, का. जिले के खिलचीपुर ब्लॉक में सण्डावता से 10 **किमी दूर बामनगांव में कुंए के समीप जमीन धंसने से कुंए के किनारे काम कर रही सास और बहू की मिट्टी के मलबे में दबने से मौत हो गई.**

जमीन धंसने के बाद मिट्टी ढहकर कुंए में फिसली और उसी की चपेट में आने से दोनों सास और बहू दब गई. करीब 12 फीट खुदाई के बाद दोनों के शव बरामद किए जा सके. हादसे में मृत दोनों कांग्रेस नेता एवं जनपद सदस्य मुकेश कोट की मां और पत्नि थी.

जानकारी मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के खिलचीपुर क्षेत्र के बामन गांव में बुधवार दोपहर निर्माणाधीन कुएं के धंसने से सास-बहू की मौत हो गईस हादसे में कांग्रेस नेता और जनपद सदस्य मुकेश कोट (डांगी) की मां रूपाबाई (60) और पत्नी पिंकी बाई (30) मिट्टी में दब गई थीं. करीब सात घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद दोनों के शव मलबे से निकाल लिए गए.

आईएसआई आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

जिंदा कारतूस, मोबाइल फोन और आपत्तिजनक सामग्री बरामद

नई दिल्ली, 17 जून. दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक कथित आतंकी मॉड्यूल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच और संदिग्धों को गिरफ्तार किया है.

जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में पुलिसकर्मियों और सुरक्षा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की साजिश रच रहा था. पुलिस ने आरोपियों के पास से हथियार, जिंदा कारतूस, मोबाइल फोन और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है. पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोहेल, सोनू मीणा, सचिन कुमार मीणा, मोहम्मद कैफ और मोहम्मद रिहान के रूप में हुई है. जांच में पता चला है कि पूरा मॉड्यूल पाकिस्तान में बैठे आईएसआई हैंडलर शाहजाद भट्टी के निर्देश पर संचालित हो रहा था.

शिवसेना में बड़ी टूट, 9 में से 6 सांसद बागी

मुंबई/नई दिल्ली, 17 जून. महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है. शिवसेना (यूबीटी) के 9 में से 6 सांसदों के बागी होने की अटकलों के बीच पार्टी में चर्चा तेज हो गई है.

सूत्रों के अनुसार, छह सांसदों ने बुधवार सुबह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र भेजकर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय की इच्छा जताई है. सूत्रों के मुताबिक, पत्र भेजने वाले सांसदों में नागेश पाटिल आष्टीकर और संजय दीना पाटिल का नाम शामिल है. हालांकि संजय दीना पाटिल ने पार्टी छोड़ने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि वह उद्धव ठाकरे की पार्टी के सांसद हैं और उसी में बने रहेंगे.

राउत की प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के 9 में से केवल तीन सांसद अनिल देसाई, राजाभाऊ वाजे और अरविंद सावंत उपस्थित रहे. उन्होंने कहा कि बाकी सांसदों को स्वयं सामने आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए. उधर, उद्धव ठाकरे और पार्टी नेतृत्व लगातार सांसदों से संपर्क साधने और उन्हें मनाने का प्रयास कर रहे हैं. इसी बीच उद्धव ठाकरे ने एक बयान में कहा था कि जिसको जाना है, वो अपनी स्वेच्छा से जा सकता है. वहीं, पार्टी ने 18 जून को दिल्ली में संसदीय समिति की बैठक बुलाई है. सभी सांसदों को बैठक में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया गया है. पार्टी ने स्पष्ट किया है कि बैठक में अनुपस्थित रहने वाले सांसदों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और अयोग्यता की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है. इस घटनाक्रम के बीच महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है.

बागी सांसदों को 50-50 करोड़ का प्रस्ताव दिया : राउत

इससे पहले जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में 39 विधायक पार्टी से अलग हो गए थे. उस बगावत के बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई थी. प्रेस कॉन्फ्रेंस में राउत ने दावा किया कि बागी सांसदों को 50-50 करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया गया है.

गुस्ताखी माफ

छात्रों से संवाद | कोटा कार्यक्रम में एजुकेशन सिस्टम पर बोला हमला

शिक्षा व्यवस्था बच्चों पर दबाव डालती है : राहुल गांधी

कोटा, 17 जून. लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने राजस्थान के कोटा स्थित दशहरा मैदान में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया। इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यह कोई राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि युवाओं की समस्याओं को समझने और उनकी आवाज उठाने का प्रयास है। कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने देश की शिक्षा प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि भारत का मौजूदा एजुकेशन सिस्टम छात्रों पर अत्यधिक दबाव डालता है, जिससे वे मानसिक तनाव में रहते हैं. राहुल गांधी ने कहा कि यह व्यवस्था बच्चों को आगे बढ़ाने के बजाय कई बार उन्हें मानसिक रूप से दबा देती है, जो देश के भविष्य के लिए सही संकेत नहीं है. उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि देश में करियर विकल्प सीमित क्यों कर दिए गए हैं. राहुल गांधी ने कहा कि अधिकांश छात्र केवल डॉक्टर या इंजीनियर बनने की दिशा में ही क्यों जाते हैं, जबकि अन्य कई क्षेत्रों में भी बेहतर संभावनाएं मौजूद हैं. इस दौरान राहुल गांधी ने एक छात्रा का सुसाइड नोट भी मंच पर दिखाया और कहा कि यह किसी व्यक्तिगत आकांक्षा की विफलता नहीं है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है. उन्होंने कहा कि इस समस्या पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है ताकि भविष्य में कोई भी छात्र इस तरह के कदम उठाने के लिए मजबूर न हो.